







# बजट सत्र: 5508 करोड़ का तीसरा अनुपूरक बजट विधानसभा से पारित

आजाद सिपाही संचादाता

रांची। ज्ञारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दौरान शुक्रवार को 5,508 करोड़ रुपये का तीसरा अनुपूरक बजट पारित कर दिया गया। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कटौती प्रस्ताव पर जवाब देते हुए कहा कि उन्हें आशा थी कि अनुपूरक बजट पर विषयी सदस्यों की ओर से सरकार को सुझाव दिया जायेगा, लेकिन विषय ने वित्तीय मामलों पर कम बल्कि राजनीतिक मुद्दे ज्यादा उठाये। विषय की वह बात सही नहीं है कि सदन में मूल बजट आना है तो बीच में अनुपूरक बजट की क्या राशि का उपयोग अनुपूरक के



ने ज्ञारखंड का बकाया 1112 करोड़ रुपये दिये हैं तो क्या इस राशि का उपयोग अनुपूरक के

जारी विकास कार्यों में न हो। वित्त मंत्री ने कहा कि हर पांचवें वर्ष चुनाव का होता है, जिसका असर

राज्यों के खर्च और इसके राजस्व पर पड़ता है। हमारी सरकार की सोच है कि ऐसे विभागों के पैसे को उन विभागों को दे दिया जाये जिन विभागों में अधिक खर्च किये जा रहे हैं। उन्होंने जंजदू के विधायक सरयू राय की ओर से उठाये गये मुद्दे पर कहा कि यदि सदन के बांगे अनुपूरक के राशि का आवंटन नहीं किया जाता है। यदि ऐसे बात होती है, तो इसकी जांच करायी जायेगी। सरयू राय ने सदन की बांगे अनुपूरक के राशि आवंटित करने की बात कही थी और कहा था कि वित्त मंत्री को सरकार के बही-खातों को दुरुस्त करना चाहिए।

## जमीन अधिग्रहण को लेकर सदन में हंगामा, पक्ष और विषय ने उठाये सवाल

आजाद सिपाही संचादाता

रांची। विधानसभा के बजट सत्र के चौथे दिन जमीन अधिग्रहण से जुड़ा मुआवजा, एनओसी और म्यूशून को लेकर ही रही धांधली पर विषय के साथ सत्ता पक्ष ने भी सवाल खड़े किये। विधायक नांगेंद्र महतो ने पूछा कि क्या सरकार वैसे गैर मजरूरआ जमीन का पुनः लगान रखी किसानों से राजस्व लेकर उन्हें स्वामित्व का अधिकार देने का चार रखता है।

इस पर मंत्री दीपक रुद्रआ ने कहा कि पूर्व की बीजेपी सरकार ने अवैध जांच का आदेश दिया था। लेकिन अब 2018 से पूर्व बदोबस्ती वाले ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस पर नवीन जयसवाल ने कहा कि ऑनलाइन के बाद खाता-प्लॉट नंबर सब चेंज हो गया। अकरण जानवाड़ कर इस तरह का काम किये हैं।

ऑनलाइन में पांच एकड़ की जगह पांच डिसमिल हो गया है। सीओ 25 से 50 हजार रुपये तक मांगता है। इस पर मंत्री दीपक रुद्रआ ने कहा कि इस तरह की शिकायत किसी भी अंचल से



आई तो निश्चित रूप से कार्रवाई होगी। अगर सीओ ने भी सीबीआइ जांच का बहाना बनाया तो होगी कार्रवाई।

पर प्रतिबंध हाताया जा सकता है। इसपर रेतों का अधिक रूप से भी दोहन हो रहा है।

एनओसी की भी प्रक्रिया काफी लंबी है। इस पर विधायक सुरेश पायसवाल ने कहा कि देवघर में रशीद करने जाते हैं तो कहता है कि सीबीआइ जांच चल रही है। फिर राजेश कच्छ ने कहा कि ज्युडिशियल अकादमी से नगदी तक अधिग्रहित की गयी जमीन का मुआवजा अब तक रेतों को नहीं मिला है।

इस पर मंत्री दीपक रुद्रआ ने कहा कि रेतों का प्रतिबंधन करेगा। इसपर रेतों के लिए एनओसी को लेकर सरकार का सहयोग करने वाले अपने प्लॉट के बांगे राजेश कच्छ ने कहा कि ज्युडिशियल अकादमी से नगदी किया जायेगा। इस पर सीपी ने कहा कि यह आदेश सभी जिलों में भिजवा दें।

## बजट सत्र: 108 एंबुलेंस को लेकर राज्य सरकार को घेरा, नियमावली में संशोधन की आवश्यकता बतायी

आजाद सिपाही संचादाता

रांची। विधानसभा के बजट सत्र के चौथे दिन 108 एंबुलेंस की सेवा को लेकर सत्ता पक्ष ने सरकार को ही घेरा। विधायक अमित कुमार यादव ने कहा कि हर जिला में मेडिकल कॉलेज का निर्माण होना चाहिए। इस पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि कोडरमा में मेडिकल कॉलेज का निर्माण हो रहा है। 38 फीसदी निर्माण कार्य हो चुका है।

पहले चरण में धनबाद, देवघर, खंडी, अमरपुर में रोजगार के लिए प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।



प्रदीप यादव ने व्यवस्था पर उठाया सवाल

प्रदीप यादव ने स्पीकर से कहा कि अब तक मेरे सवाल का जवाब नहीं मिल रहा है तो उस विषय के संकेतों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

इस पर स्टीफन मरांडी ने कहा कि 108 एंबुलेंस की व्यवस्था मुद्दे पर उत्तर उपलब्ध करायें। प्रदीप यादव ने कहा कि आपके निर्देश के बावजूद समय पर जवाब नहीं मिल रहा है तो उस विषय के संकेतों के अफसरों को कहा गया है कि समय पर उत्तर उपलब्ध करायें। प्रदीप यादव ने कहा कि आपके निर्देश के बावजूद समय पर जवाब नहीं मिल रहा है तो उस विषय के संकेतों के अफसरों को कहा गया है कि समय पर उत्तर उपलब्ध करायें।

विधायक राज सिन्हा ने धनबाद में पेयजलापूर्ति योजना का मुद्दा उठाया। कहा कि जिस 917.69 करोड़ की पेयजलापूर्ति योजना के बारे में जवाब मार्ग गया, उसकी चर्चा ही नहीं है। इस पर प्रधानी मंत्री ने कहा कि कोल 12 योजनाएं चल रही हैं। स्टेट प्लान की योजनाएं पूरी हो चुकी हैं। आप जिस योजना की

विधायक सीपी सिंह ने मंत्री इरफान अंसारी को किया चैलेंज, प्रमाण दिखा दें इस्तीफा दे दूंगा : सीपी सिंह

रांची (आजाद सिपाही)। ज्ञारखंड विधानसभा सत्र के चौथे दिन सीपी सिंह ने इरफान अंसारी को चैलेंज कर दिया है। दरअसल इरफान अंसारी ने पीएम मोदी के 15 लाख देने वाले बयान के बांगे राजेश कच्छ ने कहा कि ज्युडिशियल अकादमी से नगदी तक प्राप्त करने की गयी जमीन का मुआवजा अब तक रेतों को नहीं मिला है।

रांची (आजाद सिपाही)। ज्ञारखंड विधानसभा सत्र के चौथे दिन सीपी सिंह ने इरफान अंसारी को चैलेंज कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह आदेश सदन में धोखा देने की ओर आया है।

जेपीएससी में 1700 से अधिक पद खाली : नवीन जयसवाल

नवीन जयसवाल ने आगे कहा कि

जेपीएससी में 1700 से अधिक पद खाली हैं। इसके अलावा आज हर दूसरे दिन भी एनओसी को चैलेंज कर दिया जायेगा।

प्रदीप यादव ने व्यवस्था पर उठाया सवाल

प्रदीप यादव ने स्पीकर से कहा कि अब तक मेरे सवाल का जवाब नहीं मिल रहा है तो उस विषय के संकेतों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

इस पर मंत्री ने कहा कि कोल 12 योजनाएं चल रही हैं।

रोजगार के प्रति सरकार उदार दृष्टि से कर रही है काम: संजय

श्रम मंत्री संजय प्रसाद सिंह ने कहा कि रोजगार के प्रति सरकार उदार दृष्टि से कर रही है।

प्रदीप यादव ने स्पीकर से कहा कि अब तक मेरे सवाल का जवाब नहीं मिल रहा है तो उस विषय के संकेतों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

इस पर मंत्री ने कहा कि कोल 12 योजनाएं चल रही हैं।

रोजगार के प्रति सरकार उदार दृष्टि से कर रही है काम: संजय

श्रम मंत्री ने कहा कि रोजगार के प्रति सरकार उदार दृष्टि से कर रही है।

प्रदीप यादव ने स्पीकर से कहा कि अब तक मेरे सवाल का जवाब नहीं मिल रहा है तो उस विषय के संकेतों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

इस पर मंत्री ने कहा कि कोल 12 योजनाएं चल रही हैं।

रोजगार के प्रति सरकार उदार दृष्टि से कर रही है काम: संजय

श्रम मंत्री ने कहा कि रोजगार के प्रति सरकार उदार दृष्टि से कर रही है।

प्रदीप यादव ने स्पीकर से कहा कि अब तक मेरे सवाल का जवाब नहीं मिल रहा है तो उस विषय के संकेतों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

इस पर मंत्री ने कहा कि कोल 12 योजनाएं चल रही हैं।

रोजगार के प्रति सरकार उदार दृष्टि से कर रही है काम: संजय

श्रम मंत्री ने कहा कि रोजगार के प्रति सरकार उदार दृष्टि से कर रही है।

प्रदीप यादव ने स्पीकर से कहा कि अब तक मेरे सवाल का जवाब नहीं मिल रहा है तो उस विषय के संकेतों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

इस पर मंत्री ने कहा कि कोल 12 योजनाएं चल रही हैं।





# संपादकीय

## ग्रीन कार्ड से कमाई

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वीजा-सिटेजनशिप पॉलिसी पर एक और बड़ी घोषणा करके सबको चौंका दिया है। गोल्ड कार्ड के जरिए अमेरिकी विदेशियों को अमेरिका में स्थायी निवास की सुविधा और नागरिकता की गहर मुहैया करने का उनका ऐलान दुनिया भर में तीखी बहस की बजह बन गया है।

**44 करोड़ देने होंगे :** अमल में आ जाये तो यह स्वीम अमेरिकी विदेशियों को अमेरिकी नागरिकता मुहैया करने का सबसे आसान उपाय साबित हो सकती है। जिस इं-5 कार्यक्रम का विकल्प इसे बताया जा रहा है, उसमें भी अमेरिकी विदेशी जीवनमें निवेश का कम से कम 400 अमेरिकियों को रोजगार उपलब्ध करने जैसी शर्तें जुड़ी हैं। मगर इस नई योजना में 50 लाख डॉलर (करोड़ 44 करोड़ रुपये) का भुगतान करने भर से गोल्ड कार्ड मिल जाने की बात है।

**आमदानी पर निगाहें :** ट्रंप का जोर भी इस नवी योजना से अमेरिका को हानी बाली आमदानी पर ही ज्यादा दिख रहा है। हालांकि कई अन्य देश इस तरह की सुविधा पहले से

दुनिया भर के मुहैया करते हैं, लेकिन वे छोटे-छोटे देश हैं। अमेरिका जैसे देश का ऐसी योजना लेकर आना बड़ी घटना होगी। स्वाभाविक ही, इससे सुरक्षा जैसे सवाल भी जुड़े हैं, क्योंकि ऐसी सुविधा को फायदा उठाने वालों

में अपराधी तत्व भी होते हैं, जो अपने देश के कानून से बचने के लिए ऐसा करते हैं।

**टैलंट पर जोर नहीं :** भले ट्रंप कह रहे हों कि कंपनियां इस योजना के जरिए टैलंट एंटर्प्रेनर्स को ज्यादा आसानी से हायर कर पायेंगी, लेकिन यह सफ है कि नवी पॉलिसी का जोर टैलंट से ज्यादा पैसे पर है। ऐसे में इस पॉलिसी का नुकसान उन लोगों को हो सकता है, जो टैलंट की बढ़ीत अमेरिका के काम कर रहे हैं और बस्तों से ग्रीनकार्ड के इंतजार में हैं। इनमें भारतीयों की अधिक-जैसी संख्या है।

**व्यावहारिकता का पहलु :** अभी इस घोषणा के साथ कई तरह के किंतु-परंतु जुड़े हैं। अमेरिका में इमिग्रेशन पॉलिसी में किसी भी बड़े बदलाव को कंप्रेस की मुहर चाहिए होती है। यह आशंका भी है कि कंपनियां

नागरिकता संबंधी घोषणा जैसी न हो, जिस पर अदालत ने रोक लगा दी है। इन सबके बावजूद, अमेरिकी राष्ट्रपति की इस घोषणा से यह सवाल ज्यादा स्पष्ट रूप में सामने आया है कि यह सच्चाय पैसा 'स्वर्ण' में बिना शर्त एंट्री दिला सकता है।

## अभिमत आजाद सिपाही

अमेरिकी साष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पूर्ववर्ती बाइडेन प्रशासन पर आरोप लगाया कि उसने भारत में चुनाव प्रभावित करने के लिए 21 मिलियन डालर खर्च किये। ट्रंप ने सावल उठाया कि यह इसके जरिए बाइडेन किसी और को जिताने की कोशिश कर रहे थे। ट्रंप का यह बयान उस समय आया, जब अमेरिकी सरकारी दस्तावेज द्वारा भारत में मतदान प्रतिशत हेतु अमेरिकी वित्तपोषण का भवित्व बन गया।

फरवरी को अपनी एक रिपोर्ट में यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएस-एड) द्वारा भारत में मतदान प्रतिशत हेतु अमेरिकी वित्तपोषण का भवित्व बन गया।

# भीतरी और बाहरी दुर्घटनों से सावधान!

## बलबीर पुंज

अनादिकाल से भारत एक महान आध्यात्मिक शक्ति रहा है। 250 वर्ष पहले तक विषय की सबसे मजबूत अर्थिक शक्ति थी। लगातार संघर्ष के बाद भी हम लगभग 600 वर्षों इस्लाम, तो 200 साल अंग्रेजों के अधीन रहे। यह तब हुआ, जब हम स्वीर्ण और किसी भी साधन में कम नहीं थे। शताब्दियों तक चली इस पतंत्रता का एक बड़ा कारण वह वर्ग रहा, जो अपने निहित स्वार्थ के लिए किसी न किसी शास्त्र से जा मिला और हम कमज़ोर होते गए। यह दुखद इतिहास में हमने कुछ सीधी? शायद नहीं। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मतदान प्रतिशत बढ़ाने के नाम पर भारत में 182 करोड़ के भारी-भरकम अमेरिकी वित्तपोषण का खुलासा करते हुए इसे बंद कर दिया। यह पर्फॉरमेंस इस बात को रेखांकित करता है कि बढ़ते भारत पर लगाम लगाने के लिए विदेशी शक्तियों किस तरह बेसब्र हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पूर्ववर्ती बाइडेन प्रशासन पर आरोप लगाया कि उसने भारत में चुनाव प्रभावित करने के लिए 21 मिलियन डालर खर्च किये।

**उठाया कि क्या इसके जरिए बाइडेन किसी और को जिताने के लिए देश छोड़कर भागना पड़ा था,**

**उठाया कि क्या इसके जरिए बाइडेन किसी और को जिताने के लिए देश छोड़कर भागना पड़ा था,**

**उठाया कि क्या इसके जरिए बाइडेन किसी और को जिताने के लिए देश छोड़कर भागना पड़ा था,**

**उठाया कि क्या इसके जरिए बाइडेन किसी और को जिताने के लिए देश छोड़कर भागना पड़ा था,**

**उठाया कि क्या इसके जरिए बाइडेन किसी और को जिताने के लिए देश छोड़कर भागना पड़ा था,**

**उठाया कि क्या इसके जरिए बाइडेन किसी और को जिताने के लिए देश छोड़कर भागना पड़ा था,**

**उठाया कि क्या इसके जरिए बाइडेन किसी और को जिताने के लिए देश छोड़कर भागना पड़ा था,**

**उठाया कि क्या इसके जरिए बाइडेन किसी और को जिताने के लिए देश छोड़कर भागना पड़ा था,**

**उठाया कि क्या इसके जरिए बाइडेन किसी और को जिताने के लिए देश छोड़कर भागना पड़ा था,**

**उठाया कि क्या इसके जरिए बाइडेन किसी और को जिताने के लिए देश छोड़कर भागना पड़ा था,**

**उठाया कि क्या इसके जरिए बाइडेन किसी और को जिताने के लिए देश छोड़कर भागना पड़ा था,**

**उठाया कि क्या इसके जरिए बाइडेन किसी और को जिताने के लिए देश छोड़कर भागना पड़ा था,**

**उठाया कि क्या इसके जरिए बाइडेन किसी और को जिताने के लिए देश छोड़कर भागना पड़ा था,**

**उठाया कि क्या इसके जरिए बाइडेन किसी और को जिताने के लिए देश छोड़कर भागना पड़ा था,**

**उठाया कि क्या इसके जरिए बाइडेन किसी और को जिताने के लिए देश छोड़कर भागना पड़ा था,**

**उठाया कि क्या इसके जरिए बाइडेन किसी और को जिताने के लिए देश छोड़कर भागना पड़ा था,**

**उठाया कि क्या इसके जरिए बाइडेन किसी और को जिताने के लिए देश छोड़कर भागना पड़ा था,**

**उठाया कि क्या इसके जरिए बाइडेन किसी और को जिताने के लिए देश छोड़कर भागना पड़ा था,**

**उठाया कि क्या इसके जरिए बाइडेन किसी और को जिताने के लिए देश छोड़कर भागना पड़ा था,**

**उठाया कि क्या इसके जरिए बाइडेन किसी और को जिताने के लिए देश छोड़कर भागना पड़ा था,**

**उठाया कि क्या इसके जरिए बाइडेन किसी और को जिताने के लिए देश छोड़कर भागना पड़ा था,**

**उठाया कि क्या इसके जरिए बाइडेन किसी और को जिताने के लिए देश छोड़कर भागना पड़ा था,**

**उठाया कि क्या इसके जरिए बाइडेन किसी और को जिताने के लिए देश छोड़कर भागना पड़ा था,**

**उठाया कि क्या इसके जरिए बाइडेन किसी और को जिताने के लिए देश छोड़कर भागना पड़ा था,**

**उठाया कि क्या इसके जरिए बाइडेन किसी और को जिताने के लिए देश छोड़कर भागना पड़ा था,**

**उठाया कि क्या इसके जरिए बाइडेन किसी और को जिताने के लिए देश छोड़कर भागना पड़ा था,**

**उठाया कि क्या इसके जरिए बाइडेन किसी और को जिताने के लिए देश छोड़कर भागना पड़ा था,**

**उठाया कि क्या इसके जरिए बाइडेन किसी और को जिताने के लिए देश छोड़कर भागना पड़ा था,**

**उठाया कि क्या इसके जरिए बाइडेन किसी और को जिताने के लिए देश छोड़कर भागना पड़ा था,**

**उठाया कि क्या इसके जरिए बाइडेन किसी और को जिताने के लिए देश छोड़कर भागना पड़ा था,**

**उठाया कि क्या इसके जरिए बाइडेन किसी और को जिताने के लिए देश छोड़कर भागना पड़ा था,**

**उठाया कि क्या इसके जरिए बाइडेन किसी और को जिताने के लिए देश छोड़कर भागना पड़ा था,**

**उठाया कि क्या इसके जरिए बाइडेन किसी और को जिताने के लिए देश छोड़कर भागना पड़ा था,**

**उठाया कि क्या इसके जरिए बाइडेन किसी और को जिताने के लिए देश छोड़कर भागना पड़ा था,**

**उठाया कि क्या इसके जरिए बाइडेन किसी और को जिताने के लिए देश छोड़कर भ**











